



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY,

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 376]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 23, 1987/श्रावण 1, 1909

No. 376]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 23, 1987/SRAVANA 1, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

राष्ट्र और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1987

अविमुक्तार्ण

का. आ. 730(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अर्धीन अहमदाबाद कॉटन मार्चेण्ट्स एसोसिएशन, अहमदाबाद द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग, बम्बई के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कर्पास में अग्रिम संविदा के बारे में 31 जुलाई, 1987 से 30 जुलाई, 1989 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) की 2 वर्ष की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जाएंगे।

[मिनिस्टर, 12/1/आई. टी./87]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 23rd July, 1987

NOTIFICATIONS*

S.O. 730(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Ahmedabad Cotton Merchants' Association, Ahmedabad, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

*2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply

with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 121/IT/87]

का. प्रा. 711(प्र) :—केंद्रीय सरकार, अग्रिम मंडिदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन संलग्न गुजरात काटन एसोसिएशन बड़ोदरा द्वारा मांगता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर बायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास में अग्रिम मंडिदा के बारे में 31 जुलाई, 1987 से 30 जुलाई, 1989 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) को 2 वर्ष की और अवधि के लिए मांगता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मांगता इस शर्त के अध्वर्धित है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा, जो बायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[सिमित सं. 12/1/आई.टी./87]

S.O. 731(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Central Gujarat Cotton Dealers' Association, Vadodara and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 121/IT/87]

का. प्रा. 732(प्र) :—केंद्रीय सरकार, अग्रिम मंडिदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन संलग्न गुजरात काटन एसोसिएशन, सूरत द्वारा मांगता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर बायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास में अग्रिम मंडिदा के बारे में 31 जुलाई, 1987 से 30 जुलाई, 1989 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) को 2 वर्ष की और अवधि के लिए मांगता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मांगता इस शर्त के अध्वर्धित है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा, जो बायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[सिमित सं. 12/1/आई.टी./87]

S.O. 732(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward

Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Southern Gujarat Cotton Dealers' Association, Surat, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 121/IT/87]

का. प्रा. 733(प्र) :—केंद्रीय सरकार, अग्रिम मंडिदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन संलग्न इण्डिया काटन एसोसिएशन लि., भविष्ठा द्वारा मांगता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर बायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास में अग्रिम मंडिदा के बारे में 31 जुलाई, 1987 से 30 जुलाई, 1989 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) को 2 वर्ष की और अवधि के लिए मांगता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मांगता इस शर्त के अध्वर्धित है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा, जो बायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[सिमित सं. 12/1/आई.टी./87]

S.O. 733(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Northern India Cotton Association Ltd., Bhatinda and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such direction as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 121/IT/87]

का. प्रा. 734(प्र) :—केंद्रीय सरकार, अग्रिम मंडिदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन संलग्न इण्डिया काटन एसोसिएशन लि., उज्जैन द्वारा मांगता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर बायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को कपास में अग्रिम मंडिदा के बारे में 31 जुलाई, 1987 से 30 जुलाई, 1989

(वित्तमें से दोनों दिन शामिल हैं) की 2 वर्ष की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एन.आई.सी.ए. इस शर्त में अध्याधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय पर दिये जाएंगे।

[विनिमय सं. 12/1/आई.टी./87]

S.O. 734(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Central India Cotton Association Ltd., Ujjain and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive), in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/1/IT/87]

का.सा. 735(अ) :—केंद्रीय सरकार अधिनियम (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन मान्यता प्रदान करने के लिए एसोसिएशन को एन.आई.सी.ए. द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए दिये गये निर्देशों पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार

करने और यह मान्यता दी जाने पर कि ऐसा करता व्यापार के दिन में और वित्त में से दोनों दिन शामिल हैं, एन.आई.सी.ए. उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा दी गई शर्तों का पालन करेगा, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय पर दिये जाएंगे।

2. एन.आई.सी.ए. इस शर्त में अध्याधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय पर दिये जाएंगे।

[विनिमय सं. 12/1/आई.टी./87]

पं. एन. कौल, आर्थिक सलाहकार

S.O. 735(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the South India Cotton Association, Coimbatore and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 31st July, 1987 to the 30th July, 1989 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/1/IT/87]

P. N. KAUL, Economic Adviser

